गर्जेंद्रगडकर कमेटी की रिपोर्ट सदन के टेबल पर आनी चाहिए ।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU RAMAIAH): So far as the debate on the approach to the fifth plan is concerned, we propose to provide for a discussion on it on the 15th and 16th May. We will see whether this time is enough. If it is not enough, the Business Advisory Committee can decide and allot more time. We are not shutting out any discussion.

About the Pay Commission's Report, I shall convey to the Finance Minister the views expressed by the hon. members and I am sure the Finance Minister will give due consideration and do whatever is appropriate.

So far as drinking water is concerned, it is not a piece of legislation that is coming up next week. If an appropriate motion is sent to the hon. Speaker, it is for him to consider it.

About the Supreme Court judgment and connected matters, I shall place it before the Law Minister.

(इंटरप्शंस)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या पार्लियामेंट का तरीका है ? आहिस्ता से, शान्ति से बोलिये ।

श्री के० एस० चावडा : (पाटन) : यह इसलिये होता है कि आप इधर ध्यान नहीं देते ।

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको बता दूं कि जितना ज्यादा कोई शाउट करेगा उतना ही मैं ध्यान दूसरी तरफ कर लेता हूं । यह गलत बात है ।

श्री के० एस० चावडा : मेरा यह कहना है कि बाजपेयी जी ने एक सवाल पूछा मंत्री महोदय से कि गजेन्द्रगडकर कमेटी एक अप्वाइन्ट हुई थी, उसकी रिपोर्ट भी गवर्नमेंट को सबमिट हो चुकी है । तो वह रिपोर्ट हाउस की टेबल पर रखेंगे क्या और रखेंगे तो कब रखेंगे ?

अध्यक्ष महोदय : ऐसी चीजे आप वैसे ही उठा लिया करें, कार्य सूची में क्यों उठाते है ?

SHRI K. RAGHU RAMAIAH: I shall communicate that also to the concerned minister.

SHRI S M. BANERJEE: The discussion on Pay Commission report should be at least for 10 hours.

MR. SPEAKER: We will decide it in the BAC.

13.24 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Scarcity of Foodgrains, Coal and Water in Bihar

श्री शंकर दयाल सिंह (चतरा) : अध्यक्ष महोदय, मै नियम 377 के अनुसार सरकार का ध्यान बिहार के तीन संकटों की ओर दिलाना चाहता हूं । समाचार पत्रो में आया है कि बिहार राज्य इस समय तीन संकटों—खाद्य, कोयला तथा जल की चपेट में है । राज्य के खाद्य मंत्री श्री बोदरा ने बताया कि 1967 में कुछ जिले ही दुर्भिक्ष की चपेट में थे, इस साल बहुत बड़े हिस्से में अकाल है । धनबाद के कोयला खान जिले के अलावा सारे राज्य में कोयले का भारी अभाव है । हजारीबाग में कोयले का भाव साढ़े छः रुपये मन तथा पटना मे 10 रुपये मन है । गर्मी के मौसम के कारण कई जिलों के कुएं, तालाब, सरोवर सूखते जा रहे हैं । सथाल परगने के पकूर तथा हरिनपुर क्षेत्रों में पानी दो रुपया घड़ा बिक रहा है । श्री मधु लिमये जी, जो कि बम्बई से आये तो केवल बांका देखा, सिवाय उस एक क्षेत्र के और उन्होंने नहीं

[श्री शंकर दयाल सिंह]

देखा जब कि पूरे बिहार में जल का अभाव है .... (व्यवधान) ... पूरे बिहार में खाद्य की, कोयले की और जल की कमी है ।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, मुझे आप संरक्षण दीजिये । मैं संरक्षण चाहता हूं आपसे । ..... (व्यवधान) .. मुझे मेहरबानी करके आप बोलने दीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : आपको तो 377 के ऊपर इजाजत दी हुई है ....

श्री मधु लिमये : मैंने इनके बारे में कुछ नहीं कहा ..... (व्यवधान) ... मुझे आप संरक्षण दीजिये । मैं आपका संरक्षण चाहता हूं ।

अध्यक्ष महोदय : यह आप दोनों में क्या बात है कि जब कोई बात होती है तो दोनों ही खड़े हो जाते हैं । यह क्या बात है ? आप अपनी बात करिये, उनकी बात क्यों करते हैं ?

श्री शंकर दयाल सिंह : मान्यवर, उन्होंने केवल एक जगह की बात कही ...

अध्यक्ष महोदय : नहीं मैं यह नहीं चाहता आप अपनी बात करें ... (व्यवधान) .. आप दोनों बैठ जायें । देखिये सदन का काम इस तरह से चल नहीं सकता । आप इतने ज्यादा हैं, कुछ आज तो मुझे इस बात की खुशी हुई है कि बाजपेयी जी और मिश्रा जी भी प्रोटेक्शन मांगते हैं ... (व्यवधान) ...

श्री अटल बिहारी बाजपेयी : : जब वह पानी मांगने लगे तो हम प्रोटेक्शन मांगते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : सब से ज्यादा तो आपका काम है वह यह कि मेरा भी प्रोटेक्शन करें क्योंकि मेरा भी काफी एस्पिरिन पर चर्चा आ रहा है आजकल । श्री मधु लिमये क्या कहना चाहते हैं ?

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय यह क्या कोई मौका ऐसा है कि एक दूसरे की नुक्ताचीनी करें और मैंने यह कब कहा ? मैंने तो यह पहले ही कहा था कि 22 साल की प्लानिंग के बाद भी आज पेय जल का अभाव है और उसका एक उदाहरण मात्र रखा था । तो मेरे ऊपर इनको हमला करने की क्या जरूरत थी ?

श्री शंकर दयाल सिंह : मैंने अपनी बात पूरी नहीं कही है ...

अध्यक्ष महोदय : अननेसेसरिली जो बात रेलीवेंट नहीं है उसमें आप मत जाइये । आप अपनी बात कहिये । मैं उनके बारे में कोई रेफरेंस एलाउ नहीं करूंगा । आप अपनी बात कहिये ।

श्री शंकर दयाल सिंह : मेरा कहना है कि बिहार में आज राशन की की कमी है, जल की कमी नहीं है । पौने छः करोड़ की आबादी है । वहां के आपूर्ति मंत्री ने खुद यह स्वीकार किया है कि राशन की दुकानों में बिल्कुल राशन नहीं है । हाहाकार मचा है । इस पर डिस्कशन होना चाहिये । मेरा सबमीशन यही था । मैं उनके लिये नहीं कह रहा था । मैं बेपानी के लोगों के ऊपर पानी कभी नहीं छिड़कता ।

(ii) ARREST OF SHRI JAMBUWANT DHOTE, M.P.

SHRI DINEN BHATTACHARYYA (Serampore): Sir, with your permission, I want to raise a very important issue in which you will also be interested. One of the hon. Members of this House, Shri Dhote, was arrested on the 26th under the MISA, which has been struck down by the Supreme Court. It has appeared in all the papers. In spite of all this,